UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी (नैनीताल)

बी०ए० तृतीय वर्ष (सत्रीय कार्य)

(जमा करने की अन्तिम तिथि:) 15 **मई** 2013

कोर्स शीर्षक:हिन्दी भाषा एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी **कोर्स कोड :**एच0डी0-06

अधिकतम अंक – 40 **Maximum Marks :** 40

सत्र– 2012-13 **Year:** 2012-13

भाग 'क'

भाग 'क' में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये है, इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने है। प्रत्येक प्रश्न के लिए *पांच* अंक निर्धारित है, तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नही होना चाहिए।

1. संक्षेप में भाषा के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।
2. हिन्दी की प्रमुख बोलियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
3. प्रयोजन मूलक हिन्दी की सीमाओं एवं संभावनाओं पर प्रकाश डालिए।
4. अनुवाद के महत्त्व को को स्पष्ट कीजिए।
5. कार्यालयी हिन्दी से आप क्या समझते हैं? उसके स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।
6. प्रशासकीय पत्र कितने प्रकार के होते है ? स्पष्ट कीजिए।
7. आदिकालीन हिन्दी के स्वरूप पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
8. प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं साहित्यिक हिन्दी में अंतर स्पष्ट कीजिए।

भाग 'ख'

भाग 'ख' में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये है, इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने है। प्रत्येक प्रश्न के लिए *दस* अंक निर्धारित है।

1. हिन्दी भाषा की प्रमुख बोलियों का परिचयात्मक विश्लेषण करते हुए देवनागरी लिपि की सीमाओं एवं विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
2. साहित्यिक हिन्दी से आप क्या समझते हैं ? साहित्यिक एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी का तुलनात्मक विवेचन कीजिए।

3. अनुवाद की भारतीय एवं पाश्चात्य परम्परा को स्पष्ट करते हुए अनुवाद के कार्य-क्षेत्र का विस्तृत विवेचन कीजिए।
4. कार्यालयी हिन्दी के स्वरूप एवं उसकी प्रकृति पर एक विस्तृत निबंध लिखिए।